लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

SANCTITY AND TRANSPARENCY OF LEGISLATURES ARE IMPORTANT FOR STRONG DEMOCRACY: LOK SABHA SPEAKER/सशक्त लोकतंत्र के लिए विधायी शुचिता और पारदर्शिता महत्वपूर्ण है: लोक सभा अध्यक्ष

…

DISCUSSIONS AND DIALOGUE IN LEGISLATURES SHOULD REFLECT HOPES AND ASPIRATIONS OF PEOPLE: LOK SABHA SPEAKER/जनता की आशाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप सदन में संवाद हो: लोक सभा अध्यक्ष

…

PRESIDING OFFICERS HAVE SPECIAL RESPONSIBILITY TO SAFEGUARD SANCTITY OF LEGISLATURES: LOK SABHA SPEAKER/विधायिका की शुचिता बनाए रखना पीठासीन अधिकारयों का विशेष दायित्व है: लोक सभा अध्यक्ष

…

AGREEMENT AND DISAGREEMENT ARE STRENGTHS OF DEMOCRACY: LOK SABHA SPEAKER/सहमति और असहमति लोकतंत्र की ताकत हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

DIGITAL TECHNOLOGY SHOULD BE USED MORE TO STRENGTHEN LEGISLATURES AND TO CONNECT THEM WITH PEOPLE: LOK SABHA SPEAKER/विधायिका को मजबूत करने और लोगों से जुड़ने के लिए

डिजिटल प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

…

NORTHEAST HAS AN IMPORTANT ROLE IN ACHIEVING THE RESOLUTION OF A DEVELOPED INDIA: LOK SABHA SPEAKER/विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में पूर्वोत्तर की भी अहम भूमिका: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES 21ST CONFERENCE OF CPA INDIA REGION ZONE-III/लोक सभा अध्यक्ष ने CPA भारत क्षेत्र जोन -III के 21वें सम्मेलन का उद्घाटन किया

…

Lok Sabha Camp Office Aizawl (Mizoram), 27 September 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla inaugurated the 21st Conference of CPA India Region Zone-III, organized at Mizoram Legislative Assembly, today.

Shri Lalduhoma, Chief Minister, Mizoram; Shri Harivansh, Deputy Chairman, Rajya Sabha; Shri Sharingain Longkumer, Speaker, Nagaland Legislative Assembly and Chairman, CPA, India Region, Zone – III; Shri Lalbiakzama, Speaker, Mizoram Legislative Assembly, and Shri Lalfamkima, Deputy Speaker, Mizoram graced the occasion. Members of Mizoram Legislative Assembly and other dignitaries remained present.

Speaking on the theme of the Conference, ‘Democratic sanctity, transparency, accountability and results from democracy’, Shri Birla observed that sanctity and transparency of legislatures help in strengthening democracy which in turn increases the trust of the people in democratic institutions. Opining that it is the responsibility of the Presiding Officers to maintain the probity of the legislatures, he stressed that graceful conduct of members of the legislatures ensures their efficient functioning. Emphasizing on fruitful discussions and dialogue in the Houses in accordance with the hopes and expectations of the public, he observed that democracy is reinforced only when the legislatures, despite agreement and disagreement, collectively discuss and debate on matters of public interest.

Stressing that legislatures are platforms for constructive discussions on issues related to the common people, Shri Birla suggested that elected representatives should use these platforms to find solutions to the problems of the people. If members work with the commitment to the service of their constituents, the quality of lawmaking will also be enhanced and the dignity of legislative institutions will increase, he added. Referring to the scope of work of the legislatures, he noted that they should always endeavor to ensure the accountability and transparency of governance, which alone brings socio-economic changes in the lives of common citizens.

He also praised the richness of cultural heritage of the Northeast region. Referring to the many public welfare works undertaken by the Legislative Assemblies of the Northeast region, he said that the legislative bodies of the Northeast region have played transformative role by using technology to appreciate local issues. He further said that the legislatures of the Northeast region have passed many enabling laws and have also taken result-oriented decisions. Referring to the transformational changes and development in the Northeast region, he said that the work done in recent years to increase physical, digital and social connectivity has transformed the Northeast region from a marginal region to the first region. He further said that Northeast India has a big role in fulfilling the resolve of Prime Minister Shri Narendra Modi to develop India.

On this occasion, Shri Birla inaugurated the Archives Section of the Mizoram Legislative Assembly Library.

Shri Birla also interacted with media persons in Mizoram Legislative Assembly.

लोक सभा कैंप कार्यालय आइजॉल (मिज़ोरम) 27 सितम्बर 2024: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज मिज़ोरम विधान सभा में आयोजित CPA भारत क्षेत्र जोन-3 के 21वें सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मिजोरम के मुख्य मंत्री, श्री लालदुहोमा; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; नागालैंड विधान सभा के अध्यक्ष और सीपीए इंडिया क्षेत्र , जोन-III के अध्यक्ष, श्री शेरिंगेन लोंगकुमेर ; मिजोरम विधान सभा के अध्यक्ष , श्री लालबियाकजामा और मिजोरम विधान सभा के उपाध्यक्ष , श्री लालफामकिमा

उपस्थित रहे। मिजोरम विधान सभा के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस सम्मेलन में शामिल हुए।

सम्मलेन के मुख्य विषय, 'लोकतान्त्रिक शुचिता, पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतंत्र से परिणाम' पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधायी शुचिता और पारदर्शिता लोकतंत्र को सशक्त करने में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधायिका की शुचिता बनाए रखना पीठासीन अधिकारियों का विशेष दायित्व है और इस दिशा में उन्हें सदैव सजग रहना चाहिए। यह विचार व्यक्त करते हुए कि सदस्यों के गरिमामयी आचरण से पारदर्शिता सुनिश्चित होती है , उन्होंने कहा कि विधायी कार्य में जनता की आशाओं और अपेक्षाओं को प्रमुखता मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि लोकतन्त्र तभी सशक्त होता है, जब सदन सहमति-असहमति के बावजूद सामूहिक रूप से, गरिमा और शालीनता से लोकहित के विषयों पर चर्चा और संवाद करता हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि विधानमंडल आम लोगों से संबंधित मुद्दों पर उपयोगी चर्चा के लिए मंच हैं , श्री बिरला ने कहा कि निर्वाचित सदस्यों को विधानमंडल के मंच का उपयोग लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए करना चाहिए। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि इससे नागरिकों का विधायी संस्थाओं पर विश्वास बढ़ेगा, विधि निर्माण की गुणवत्ता बढ़ेगी और इन संस्थाओं की गरिमा भी बढ़ेगी। विधायिका के कार्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधायिका को विधि और नीति निर्माण के साथ साथ शासन की जवाबदेही पर जोर देना चाहिए जिससे आम नागरिकों के जीवन में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लाया जा सके।

विधानमंडलों की कार्यकुशलता और प्रभाव में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधायी कार्य में डिजिटल प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि इन संस्थानों में डिजिटल technology का प्रयोग विधायी

प्रक्रिया में जन भागीदारी को बढ़ाता है , रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ाता है और संसदीय समिति प्रणाली को और मजबूत करता है जिससे विधायिका जन कल्याण का सर्वोत्तम माध्यम बनती है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि विधायकों को प्रशिक्षित किया जाए , सदन में कार्य में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी बढे और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

इस अवसर पर उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। पूर्वोत्तर क्षेत्र की विधान सभाओं द्वारा पारित कई कल्याणकारी कानूनों के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि इन संस्थाओं ने स्थानीय विषयों पर टेक्नॉलजी का प्रयोग करके सदनों को जनोन्मुखी बनाया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में आए आमूलचूल परिवर्तन और विकास के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि हाल के वर्षों में भौतिक, डिजिटल और सोशल कनेक्टिविटी बढ़ाने पर किए गए कार्यों ने इस क्षेत्र को एक सीमांत क्षेत्र से प्रथम क्षेत्र बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत का संकल्प को पूरा करने में पूर्वोत्तर भारत की बड़ी भूमिका है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में पूर्वोत्तर क्षेत्र की विधायिकाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर श्री बिरला ने मिजोरम विधान सभा पुस्तकालय के आर्काइव्ज अनुभाग का उद्घाटन किया।

श्री बिरला ने मिजोरम विधान सभा में मीडियाकर्मियों से भी बातचीत की।